sns academy
a fingerprint school
Sincerity, Nobility and Service

Work sheet- September-2019

Hindi – 2nd Lang (Grammar)

Grade: IX **Date of issued:**

Date of submission:

I. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

दोहे अर्थात दो पंक्तियों में लिखा जाने वाला और चौपाई अर्थात चार पंक्तियों में लिखा जाने वाला छंद या पद्य। भक्तिकालीन कवियों में कबीर, रहीम, रैदास, सूरदास, तुलसीदास आदि ने अपने साहित्य के साथ-साथ दोहों की भी रचना की। वह युग ऐसा था, जब अनेक प्रकार के धार्मिक मत लोगों को भ्रमित कर रहे थे और धर्म के नाम पर पाखंड और अनेक कुरीतियाँ पनप रही थीं। ऐसे में आवश्यकता थी कि कोई सीधे सरल शब्दों में साधारण जनता को सही मार्ग दिखाए। यह कार्य भक्ति-कालीन कवियों ने अपने हाथों में लिया। आम लोगों को समझाने के लिए एक ऐसी विधा की आवश्यकता थी जो जीवन का मर्म समझा सके और मर्म को छू ले। यह काम दोहों ने किया। कबीर के दोहे आज भी जन-जन की जुबान पर है। कबीर केवल महान कवि ही नहीं, बल्कि अपने समय के सबसे बड़े और सच्चे समाज-सुधारक और युग-निर्माता थे। कबीर ने हिन्दू और मुसलमान दोनो की आलोचना की और समाज में जागृति का नया मंत्र फ़ूँका। उनके दोहे इतने प्रचलित हुए कि लोग उन्हें बातचीत में भी शामिल

करने लगे। इसका मुख्य कारण इनका लघु रूप और सरल भाषा थी। अधिकतर दोहे ज्ञान-अज्ञान, नीति, परोपकार, आपसी प्रेम से संबंधित हैं। इन जीवन-मूल्यों की आवश्यकता हर युग में रहेगी।

1. भक्ति-काल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।

_____

_____

2. कबीर के दोहों की क्या-क्या विशेषताएँ थीं ?

_____

_____

3. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए ।

_____

4. 'प्रचलित' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय लिखिए।

_____

5. कवि किस युग के कवि थे ?

_____